

---

---

---

---

---



---

---

---

**Sabbath Services  
25 October 2014**

**Ephesus**



---

---

---

---



---

---

---

---

**Revelation 2:1-7**



---

---

---

---

---

---

---

---

## Revelation 2:1-7

V1 - Unto the angel of the assembly of Ephesus write; These things saith **He that holdeth the seven stars in His right hand, who walketh in the midst of the seven golden candlesticks;**



---

---

---

---

---

---

---

---

## Revelation 1:9-20



---

---

---

---

---

---

---

---

## Revelation 1:9-20

V13 - And in the midst of the seven candlesticks one like unto the Son of man, clothed with a garment down to the foot, and girt about the paps with a golden girdle.

V16 - And **He had in His right hand seven stars:** and out of His mouth went a sharp two edged sword: and His countenance was as the sun shineth in his strength.



---

---

---

---

---

---

---

---

## Revelation 1:9-20

V20 - The mystery of the seven stars which thou sawest in My right hand, and the seven golden candlesticks. The seven stars are the angels of the seven churches: and the seven candlesticks which thou sawest are the seven assemblies.



---

---

---

---

---

---

---

---

## Exodus 25:31-40



---

---

---

---

---

---

---

---

## Exodus 25:31-40

V36-37 - Their knops and their branches shall be of the same: all it shall be one beaten work of pure gold. And thou shalt make the seven lamps thereof: and they shall light the lamps thereof, that they may give light over against it.



---

---

---

---

---

---

---

---

## Revelation 2:2-3

V2-3 - I know thy works, and thy labour, and thy patience, and how thou canst not bear them which are evil: and thou hast tried them which say they are apostles, and are not, and hast found them liars: And hast borne, and hast patience, and for my name's sake hast laboured, and hast not fainted.



---

---

---

---

---

---

---

---

## 1 Thessalonians 1:1-10



---

---

---

---

---

---

---

---

## 1 Thessalonians 1:1-10

V3 - Remembering without ceasing your work of faith, and labour of love, and patience of hope in our Master Y'HoWShUA Messiah, in the sight of The Mighty One and our Father;



---

---

---

---

---

---

---

---

### Deuteronomy 13:1-5



---

---

---

---

---

---

---

---

### Deuteronomy 13:1-5

V3 - Thou shalt not hearken unto the words of that prophet, or that dreamer of dreams: **for YHWH your Mighty One proveth you, to know whether ye love YHWH your Mighty One with all your heart and with all your soul.**



---

---

---

---

---

---

---

---

### Deuteronomy 13:1-5

V5 - And that prophet, or that dreamer of dreams, shall be put to death; because he hath spoken to turn you away from **YHWH your Mighty One**, which brought you out of the land of Egypt, and redeemed you out of the house of bondage, to thrust thee out of the way which **YHWH thy Mighty One** commanded thee to walk in. **So shalt thou put the evil away from the midst of thee.**



---

---

---

---



---

---

---

---

**James 1:1-8**



---

---

---

---

---



---

---

---

**James 1:1-8**

V3-4 - Knowing this, that the trying of your faith worketh patience. But let patience have her perfect work, that ye may be perfect and entire, wanting nothing.



---

---

---

---



---

---

---

---

**Luke 21:7-19**



---

---

---

---

---

---

---

---



### Luke 21:7-19

V17 - And ye shall be hated of all men for My name's sake.



---

---

---

---

---

---

---

---

### Joel 2:28-32



---

---

---

---

---

---

---

---

### Joel 2:28-32

V32 - And it shall come to pass, that **whosoever shall call on the name of YHWH shall be delivered:** for in mount Zion and in Jerusalem shall be deliverance, as **YHWH** hath said, and in the remnant whom **YHWH** shall call.



---

---

---

---

---

---

---

---



## Revelation 2:6

V6 - But this thou hast, that thou hatest the deeds of the Nicolaitanes, which I also hate.



---

---

---

---

---

---

---

---

## Acts 6:1-7



---

---

---

---

---

---

---

---

## Acts 6:1-7

V5 - And the saying pleased the whole multitude: and they chose Stephen, a man full of faith and of the Set Apart Spirit, and Philip, and Prochorus, and Nicanor, and Timon, and Parmenas, **and Nicolas a proselyte of Antioch:**



---

---

---

---


---

---

---

---

Lexicon :: Strong's G3532 - Νικόλαος	
Transliteration	Νικόλαος
Pronunciation	nik'-o-lah-ohs (Nik)
Part of Speech	proper masculine noun
Root Word (Etymology)	From νίκος (G3534) and λαοδικεύς (G3594)
Outline of Biblical Usage	<p>1. Nicolas = "victor of the people"</p> <p>2. was a proselyte of Antioch and one of the seven deacons of the church at Jerusalem</p>
KJV Translation Count — Total: 1x	
The KJV translates Strong's G3532 in the following manner: Nicolas (1x).	



---

---

---

---

---

---


---

---

---

---

Lexicon :: Strong's G3534 - νίκος	
Transliteration	νίκος
Pronunciation	nik'-ohs (Nik)
Part of Speech	neuter noun
Root Word (Etymology)	From νικῶ (G3529)
Dictionary Aids	<p>Vine's Expository Dictionary: View Entry</p> <p>TDNT Reference: 4:542,634</p>
Outline of Biblical Usage	<p>1. victory</p> <p>2. to utterly vanquish</p>
KJV Translation Count — Total: 4x	
The KJV translates Strong's G3534 in the following manner: victory (4x).	



---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

## Revelation 2:4-5

V4-5 - Nevertheless I have somewhat against thee, because **thou hast left thy first love. Remember therefore from whence thou art fallen, and repent, and do the first works; or else I will come unto thee quickly, and will remove thy candlestick out of his place, except thou repent.**



---

---

---

---

---

---



---

---

---

---

**Matthew 22:34-40**



---

---

---

---

---



---

---

---

**Matthew 22:34-40**

V37-38 – Y’HoWShUA said unto him, **Thou shalt love YHWH thy Mighty One with all thy heart, and with all thy soul, and with all thy mind.** This is the first and great commandment.



---

---

---

---

---

---

---

---

**Deuteronomy 6:1-15**



---

---

---

---

---

---

---

---

## Deuteronomy 6:1-15

V5-7 - Hear, O Israel: **YHWH** our Mighty One is one **YHWH**: And thou shalt love **YHWH** thy Mighty One with all thine heart, and with all thy soul, and with all thy might. And these words, which I command thee this day, shall be in thine heart.



---

---

---

---

---

---

---

---

## Revelation 2:7

V7 - He that hath an ear, let him hear what the Spirit saith unto the assemblies; **To him that overcometh will I give to eat of the tree of life, which is in the midst of the paradise of the Mighty One.**



---

---

---

---

---

---

---

---

## Genesis 3:1-24



---

---

---

---

---

---

---

---

### Genesis 3:1-24

V22-24 - And **YHWH** the Mighty One said, Behold, the man is become as One of Us, to know good and evil: and now, lest he put forth his hand, and **take also of the tree of life, and eat, and live for ever:**

Therefore **YHWH** the Mighty One sent him forth from the garden of Eden, to till the ground from whence he was taken. So **He drove out the man; and He placed at the east of the garden of Eden Cherubims, and a flaming sword which turned every way, to keep the way of the tree of life.**



---

---

---

---

---

---

---

---

### Revelation 22:1-21



---

---

---

---

---

---

---

---

### Revelation 22:1-21

V14 - Blessed are they that do His commandments, that they may have right to the tree of life, and may enter in through the gates into the city.



---

---

---

---

---

---

---

---

**Next Week's Message**

**Seven Assemblies of Asia  
Minor - Smyrna**

**Services Start at 1:30 pm**



---

---

---

---

---

---

---

---